नागालैंड कॉफी मिशन: अरेबिका, रोबस्टा और छाया-खेती

समाचार-संदर्भ: PIB, 18 मई 2026

वास्तविक प्रकाशन तिथि: 20 अक्टूबर 2026

प्रारंभिक परीक्षा • कृषि-भूगोल और अर्थव्यवस्था

खबरों में क्यों

18 मई 2026 को पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय से जुड़े कार्यक्रम में नागालैंड के लिए **Cluster-based Coffee Value Chain Development Mission** शुरू किया गया। PIB के अनुसार “Coffees of Nagaland” मिशन का परिव्यय ₹175 करोड़ है। इसमें केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि फसल के बाद प्रसंस्करण, गुणवत्ता, पहचान, विपणन और बाजार तक पहुँच को साथ जोड़ना प्रस्तावित है।

दो पायलट क्लस्टर खास तौर पर याद रखने योग्य हैं: **कोहिमा जिले के Tuophema में अरेबिका** और **निउलैंड जिले के Ghotovi में रोबस्टा**। ये मिशन में चुने गए स्थान हैं; इन्हें पूरे राज्य में इन किस्मों की खेती की एकमात्र जगह नहीं समझना चाहिए।

समाचार से स्थिर अवधारणा तक:

इस खबर को तीन सवालों से जोड़ें: अरेबिका और रोबस्टा में भौगोलिक अंतर क्या है? भारत के पारंपरिक कॉफी क्षेत्र कौन-से हैं? छाया में होने वाली खेती और बहु-फसली व्यवस्था का संबंध क्या है?

PCSMANTRA.COM



आरेख: PIB और Coffee Board पर आधारित pcsmantra.com की मौलिक तुलना। यह दोनों प्रजातियों की कठोर वैश्विक सीमा नहीं है।

अरेबिका और रोबस्टा की पहचान:

अरेबिका का वैज्ञानिक नाम *Coffea arabica* है। रोबस्टा कॉफी *Coffea canephora* से जुड़ी है। दोनों **रूबिएसी (Rubiaceae)** कुल और *Coffea* वंश से संबंधित हैं। अरेबिका और रोबस्टा को एक ही प्रजाति के दो स्थानीय नाम मानना सही नहीं होगा।

Coffee Board के अनुसार भारत में कुछ ऊँचे और अपेक्षाकृत ठंडे क्षेत्र अरेबिका के लिए अनुकूल हैं, जबकि गर्म और आर्द्र दशाएँ रोबस्टा के लिए अनुकूल होती हैं। बोर्ड की सामान्य तुलनात्मक सारणी में अरेबिका के लिए 15-25°C तथा रोबस्टा के लिए 20-30°C तापमान दिया गया है। दोनों की दी गई सीमाओं में **कुछ हिस्सा साझा** है। इसलिए "अरेबिका केवल ठंड में और रोबस्टा केवल गर्मी में होती है" जैसा पूर्ण विभाजन न करें।

दोनों के लिए गहरी, उपजाऊ, जैविक पदार्थ वाली और अच्छे जल-निकास की मिट्टी उपयोगी बताई गई है। केवल वर्षा अधिक होने से अच्छी खेती सुनिश्चित नहीं होती; अच्छे जल-निकास की जरूरत भी होती है। किस्म, ऊँचाई, ढाल, वर्षा का समय और स्थानीय प्रबंधन को साथ देखना चाहिए।

भारत के कॉफी क्षेत्र:

PCSMANTRA.COM

कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु भारत के पारंपरिक कॉफी क्षेत्र हैं। पूर्वी घाट के आंध्र प्रदेश और ओडिशा के क्षेत्र गैर-पारंपरिक कॉफी क्षेत्रों में आते हैं। पूर्वोत्तर में भी कॉफी की खेती विकसित हुई है। इसलिए भारत की कॉफी को केवल पश्चिमी घाट तक सीमित कहना गलत होगा।

कर्नाटक की बाबाबुदनगिरि भारतीय कॉफी के इतिहास से जुड़ी है। लेकिन इस ऐतिहासिक पहचान को वर्तमान उत्पादन का प्रतिशत या नवीनतम राज्यवार क्रम न मानें। ऐसे आँकड़े वर्ष और अनुमान के अनुसार बदलते हैं। इस लेख में बिना वर्ष बताए

उत्पादन-हिस्सेदारी का कोई दावा नहीं किया गया है।

छाया वाली खेती क्यों महत्वपूर्ण है?

भारत की कॉफी खेती की एक पहचान **छाया देने वाले वृक्षों के साथ खेती** है। Coffee Board दो स्तर वाली मिश्रित छाया-छतरी का वर्णन करता है। छाया-वृक्ष तापमान के तेज उतार-चढ़ाव को कम करने, ढाल पर मिट्टी बचाने और गिरी पत्तियों से जैविक पदार्थ लौटाने में मदद करते हैं।

कॉफी के साथ काली मिर्च, इलायची, केला और संतरा जैसी फसलें भी उगाई जाती हैं। यह **बहु-फसली व्यवस्था** है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर बागान में ये सभी फसलें होती हैं।

छाया उपयोगी है, फिर भी "जितनी अधिक छाया उतना अधिक उत्पादन" सही नियम नहीं है। Coffee Board छाया के उचित प्रबंधन की सलाह देता है। छाया-वृक्षों के साथ व्यावसायिक बागान को बिना जाँच प्राकृतिक वन का पूर्ण विकल्प या हर स्थिति में स्वतः जैव-विविधता-सुरक्षित क्षेत्र नहीं माना जा सकता।

फूल आने वाली वर्षा और बाद की वर्षा:

Coffee Board खेती की चर्चा में **blossom showers** और **backing showers** में अंतर बताता है। पहली वर्षा फूल आने से जुड़ी अवस्था में महत्वपूर्ण होती है। उसके बाद की सहायक वर्षा भी फसल जमने की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण होती है। तैयारी में केवल कुल सालाना वर्षा नहीं, उसके समय और वितरण को भी महत्व दें।

बोर्ड की सामान्य भारतीय सारणी अरेबिका के लिए blossom showers मार्च-अप्रैल तथा रोबस्टा के लिए फरवरी-मार्च बताती है। ये क्षेत्रीय योजना समझने के संकेत हैं, हर स्थान के लिए अपरिवर्तनीय कैलेंडर नहीं। मौसम का वास्तविक क्रम अलग हो सकता है।

मिशन और प्रमाणन में अंतर:

नागालैंड मिशन में गुणवत्ता, ब्रांडिंग, डिजिटल ट्रेसबिलिटी, पर्यटन और बाजार तक पहुँच पर जोर दिया गया है। **ट्रेसबिलिटी** का अर्थ उत्पाद की उत्पत्ति और आपूर्ति-श्रृंखला के पड़ावों का रिकॉर्ड जोड़ना है। इससे पता लगाया जा सकता है कि उत्पाद कहाँ से आया और किन चरणों से गुजरा।

PCSMANTRA.COM

PIB के विवरण में जैविक प्रमाणन और GI टैगिंग को जोड़ने की बात भी है। इसे "मिशन शुरू होते ही हर कॉफी को GI मिल गया" या "राज्य की सारी कॉफी प्रमाणित जैविक है" नहीं पढ़ना चाहिए। **कार्यक्रम का लक्ष्य और किसी उत्पाद का प्राप्त प्रमाणन अलग तथ्य हैं।**

Coffee Board किससे जुड़ा है?

Coffee Board एक वैधानिक निकाय है, जो **Coffee Act, 1942** के तहत बना और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है। इसके काम में अनुसंधान, विस्तार, गुणवत्ता सुधार और कॉफी के विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। इसे नागालैंड के एक नए मिशन से बना निकाय न समझें।

पिछले प्रश्नों से तैयारी की दिशा:

UPSC प्रारंभिक परीक्षा 2023 के आधिकारिक सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-I के सही जोड़े और कितने कथन सही हैं जैसे प्रारूपों की दिशा में, फसल-क्षेत्र, प्रजाति-दशा तथा संस्था-मंत्रालय का मिलान तैयार करें। नीचे के सभी प्रश्न **मौलिक अभ्यास** हैं; इन्हें वास्तविक PYQ नहीं कहा गया है।

प्रारंभिक परीक्षा शैली: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. कथनों पर विचार कीजिए:

1. अरेबिका और रोबस्टा दोनों Coffea वंश से जुड़ी हैं।
2. Coffee Board की सामान्य सारणी में दोनों के तापमान की अनुकूल सीमाओं में कुछ हिस्सा साझा है।
3. भारत में कॉफी केवल कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में उगाई जाती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

> **उत्तर: (b) केवल दो।** पहले दो सही हैं। तीसरा गलत है: ये पारंपरिक क्षेत्र हैं, लेकिन पूर्वी घाट और पूर्वोत्तर में भी कॉफी उगाई जाती है।

प्रश्न 2. नागालैंड मिशन के संदर्भ में:

निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

1. Tuophema, कोहिमा – अरेबिका
2. Ghotovi, निउलैंड – रोबस्टा
3. मिशन की शुरुआत – राज्य की हर कॉफी को स्वतः GI पंजीकरण

कौन-से जोड़े सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

> **उत्तर: (a)।** पहले दो PIB द्वारा बताए गए पायलट क्लस्टर हैं। तीसरा गलत है: किसी योजना में GI टैगिंग का लक्ष्य होना हर उत्पाद को स्वतः पंजीकरण मिलने का प्रमाण नहीं है।

प्रश्न 3. कौन-सा कथन सही है?

(a) Coffee Board केवल नागालैंड के 2026 मिशन के लिए बनाया गया था

(b) कॉफी की छाया-खेती में अन्य फसलें उगाई ही नहीं जा सकतीं

(c) Coffee Board, Coffee Act, 1942 के तहत बना वैधानिक निकाय है

(d) छाया की मात्रा बढ़ाते जाने से हर दशा में उत्पादन बढ़ता है

> **उत्तर: (c)।** बोर्ड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से जुड़ा वैधानिक निकाय है। छाया-व्यवस्था में बहु-फसली खेती संभव है, लेकिन छाया का उचित प्रबंधन जरूरी है; अधिकतम छाया को अधिकतम उत्पादन का नियम नहीं मान सकते।

स्रोत:

1. PIB: Coffees of Nagaland मिशन, 18 मई 2026।
2. Coffee Board: भारतीय क्षेत्र, अनुकूल दशाएँ और वर्षा।

3. Coffee Board: छाया का प्रबंधन।

4. Coffee Board: वार्षिक रिपोर्ट 2013-14, समय पर blossom और backing वर्षा तथा फसल जमने का संबंध।

5. Coffee Board: गठन और काम।

6. Kew: Coffea arabica; Coffea canephora।

7. UPSC: प्रारंभिक परीक्षा 2023, आधिकारिक सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-I।

PCSMANTRA.COM